शासन-प्रशासन, सत्ता-विपक्ष एसआईआर को लेकर सभी हैं मुस्तैद

एसआईआर के प्रगति को लेकर जहां प्रशासन से शासन ले रहा अपडेट, सत्ता और विपक्ष प्रशिक्षण देने में जुटा

नवभारत न्यूज

सीधी 22 नवम्बर। एसआईआर को लेकर शासन-प्रशासन, सत्ता-विपक्ष सभी मुस्तैद हैं। एसआईआर के प्रगति को लेकर जहां प्रशासन से शासन अपडेट ले रहा, वहीं सत्ता और विपक्ष प्रशिक्षण देने में जुटा है।

जिले में चल रहे निर्वाचन नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2026 (एसआईआर) का कार्य काफी तेजी के साथ चल रहा है। प्रशासनिक स्तर से जहां बीएलओ मतदाताओं को गणन पत्र वितरित करके उनको जमा कराने के पश्चात डिजिटाइजेशन कार्य कर रहे हैं वहीं सत्ता-विपक्ष भी एसआईआर को लेकर पूरी तरह से मुस्तैद हैं। सत्ता और विपक्ष दोनो की ओर से अपनी सक्रियता प्रदर्शित करते हुये सभी पात्र मतदाताओं के नाम शामिल

कराने में जुटे हुये हैं। बीएलओ से मिले गणना पत्र सही तरीके से भरकर जमा हो सकें इसके लिये भी अभियान चलाकर सहयोग किया जा रहा है। एसआईआर के प्रगति की प्रतिदिन की जानकारी शासन जिला प्रशासन से ले रहा है। एसआईआर की प्रगति जिन क्षेत्रों में न्यून मिल रही है वहां बीएलओ के विरूद्ध कार्यवाही भी हो रही है।

बताते चलें कि सीधी जिले में एसआईआर के प्रथम चरण का कार्य 4 नवम्बर से लेकर 4 दिसम्बर 2025 तक किया जा रहा है। प्रथम चरण में वर्ष 2003 एवं वर्ष 2025 में शामिल मतदाताओं के नाम से भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी गणना पत्र को भराने एवं जमा कराने का काम किया जा रहा है। सीधी जिले में एसआईआर की प्रगति काफी तेजी के साथ चल रही है। सभी बीएलओ अपने-अपने क्षेत्रों में मतदाता सूची में शामिल सभी मतदाताओं को गणना पत्र देकर वांछनीय जानकारी भराते हुये जमा कराने में जुटे हुये हैं। शहरी और ग्रामीण दोनो क्षेत्रों में इन दिनों एसआईआर अभियान की धूम मची हुई है। एसआईआर के चल रहे अभियान को लेकर आम जनों मे भी संतोष है। लोगों का मानना है कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण हर हाल में होना चाहिये। वर्तमान में चल रहे एसआईआर अभियान में टेक्नालॉजी का उपयोग होने के कारण सबसे ज्यादा सांसत में ऐसे लोग हैं जिनका नाम 2 या 3 स्थानों के मतदाता सूची में शामिल रहा है। जरूरत पड़ने पर वह सभी स्थानों में मतदान तिथि को लेकर मतदान करते आये हैं। खासतौर से कुछ मतदाता अपने गृहग्राम की मतदाता सूची में भी नाम शामिल कराने के साथ अपने नये निवास शहरी क्षेत्र के मतदाता सूची में भी शामिल हैं। ऐसे में ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय के साथ अपने पसंदीदा लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव में मतदान करते रहे हैं। एसआईआर के गणना पत्र में आधार नम्बर डालने में ऐसे व्यक्ति दूरी बनाये हुये हैं। आधार नम्बर के अनिवार्य न होने के कारण ऐसे व्यक्ति अब भी अलग-अलग स्थानों की मतदाता सूची में शामिल होने का जुगाड़ जमा रहे हैं।

एसआईआर को लेकर कार्यवाही और सम्मान

जिले में चल रहे एसआईआर अभियान में जो बीएलओ तत्परतापूर्वक गणना पत्र मतदाताओं को वितरित कर भरने के पश्चात जमा कर डिजिटाईजेशन कर रहे हैं उनका जिला प्रशासन द्वारा सम्मान किया जा रहा है। वहीं जो बीएलओ अपने दायित्वों के प्रति लापरवाह बने हुये हैं उनके विरूद्ध ताबड़तोड़ कार्यवाहीं भी चल रही है। जिला प्रशासन द्वारा यह संदेश दिया जा रहा है कि ईमानदारी से कार्य करने वाले बीएलओ का जहां सम्मान किया जायेगा वहीं अपने दायित्वों के प्रति लापरवाह बने बीएलओ के ऊपर कार्यवाही की गाज गिरेगी।

शत-प्रतिशत एसआईआर कराने फील्ड में प्रशासन ने झोंकी ताकत

जिले में 4 दिसम्बर 2025 तक शत-प्रतिशत एसआईआर को पूर्ण करने का लक्ष्य जिला प्रशासन द्वारा रखा गया है। एसआईआर के प्रथम चरण का कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण हो सके, इसके लिये प्रशासन ने पूरी ताकत झोंक दी है। जिले के सभी ब्लाकों में एसआईआर अभियान के प्रगति पर नजर रखने के लिये विभिन्न अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही प्रतिदिन एसआईआर के प्रगति की मानीटरिंग जिला प्रशासन के द्वारा की जा रही है। बीएलओ द्वारा अपने क्षेत्र में कितने गणना पत्र जमा कराने के पश्चात डिजिटाईजेशन किये हैं उसके प्रगति के आंकड़े निर्वाचन आयोग को प्रेषित किये जा रहे हैं।

डीसीए सीधी ने 244 रनों की बढ़त के साथ फाइनल में किया प्रवेश, प्रांजल बने मैन ऑफ द मैच

नवभारत न्यूज

सीधी 22 नवम्बर। रीवा एमपीसीए ग्राउंड में खेले जा रहे अंडर-22 इंटर डिस्ट्रिक्ट टूर्नामेंट के तीन दिवसीय मुकाबले में सीधी ने शानदार और दबदबे वाला प्रदर्शन करते हुए फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। टीम ने मैच के हर सत्र में सतना पर मजबूत पकड़ बनाए रखी और अंततः पहली पारी की 244 रनों की विशाल बढ़त के आधार पर फाइनल में क्वालीफाई किया।

सतना टीम तीसरे दिन अपनी दूसरी पारी में 197 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। सतना की ओर से सागर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 100 रन की बेहतरीन पारी खेली, जबकि हर्षित ने 30 रन बनाए। इसके जवाब में सीधी की गेंदबाजी ने सतना के बल्लेबाज़ों को संभलने नहीं दिया। अभिषेक गौतम ने 3, शिवम, रवि और विनीत ने लाजवाब गेंदबाजी करते हुए 2-2 विकेट झटके।

सीधी ने अपनी दूसरी पारी में चार विकेट खोकर 176 रन बनाए और मैच तीसरे दिन ही समाप्त हो गया। दूसरी पारी में सिद्धार्थ ने 65 रनों की शानदार पारी खेली और पीयूष ने 48 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस पूरे मैच के नायक बने प्रांजल पाण्डेय जिन्हें उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। प्रांजल की पहली पारी की जिम्मेदार और महत्वपूर्ण बल्लेबाजी ने ही सीधी को 244 रनों की विशाल बढ़त दिलाई, जो मैच का निर्णायक मोड़ साबित हुई। उनकी संयमित और तेज-तर्रार बल्लेबाजी ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया और जीत की नींव रखी। कल के मुकाबले में भी सीधी ने उत्कृष्ट खेल दिखाया था जिसकी बदौलत आज की जीत और फाइनल में प्रवेश आसान हुआ। बल्लेबाजों, गेंदबाजों और फील्डर्स सभी ने मिलकर टीम वर्क का शानदार उदाहरण पेश किया। सीधी टीम के फाइनल में पहुंचने पर खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और समर्थकों में उत्साह और गर्व की लहर है। टीम अब खिताब जीतने के मजबूत इरादे के साथ मैदान में उतरने के लिए तैयार है।

विद्यालय में तम्बाकू जागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम

नवभारत न्यूज

सीधी 22 नवम्बर। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन एवं सीएमएचओ डॉ.बबिता खरे के मार्गदर्शन में तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 अंतर्गत शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय उपनी में जागरूकता एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग की जिला नोडल अधिकारी डॉ.स्वाती सिंह ने विद्यार्थियों को तम्बाकू के दुष्प्रभावों, उससे होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों तथा नशा मुक्त जीवन के महत्व पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टाफ को तम्बाकू निषेध की शपथ दिलाई गई और सभी को स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान का उद्देश्य युवाओं में तम्बाकू सेवन की शुरुआत को रोकना, स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाना तथा समुदाय में तम्बाकू मुक्त वातावरण स्थापित करना है।

चौथी एवं अंतिम नेशनल लोक अदालत 13 दिसम्बर को

नवभारत न्यूज

सीधी 22 नवम्बर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में वर्ष 2025 की चौथी एवं अंतिम नेशनल लोक अदालत 13 दिसम्बर का आयोजन जिला न्यायालय सीधी तथा सिविल न्यायालय चुरहट, रामपुर नैकिन एवं मझौली में किया जायेगा।

न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी मुकेश कुमार शिवहरे ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा। श्री शिवहरे ने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरणों, सिविल प्रकरणों, चेक बाउंस प्रकरणों, वैवाहिक एवं पारिवारिक प्रकरणों, विद्युत अधिनियम के प्रकरणों, धन वसूली प्रकरणों आदि का निराकरण पक्षकारों की आपसी सहमति से किया जावेगा। नेशनल लोक अदालत में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के लिए निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवाट तक के गैर घरेलू, 10 अश्वशक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को छूट दी जावेगी। इन प्रकरणों में प्री-लिटिगेशन स्तर पर कम्पनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि में 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जावेगी।

विद्यार्थी परिषद ने कराई सामान्य ज्ञान प्रतियोगी परीक्षा

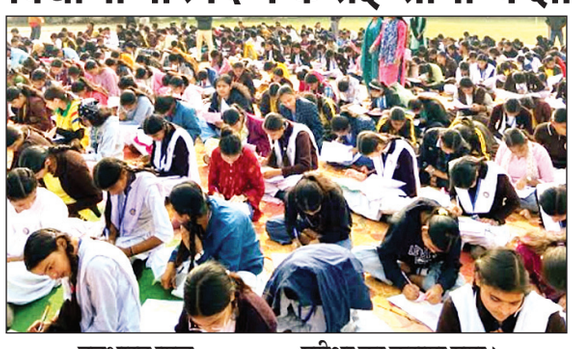

नवभारत न्यूज

सीधी 22 नवम्बर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सीधी द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती पर सीधी नगर में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा का कराया गया।

आयोजन सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन 22 नवम्बर शनिवार सुबह 8:30 बजे शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 1 के मैदान में कराया गया। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा के आयोजन में नगर के विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बिरसा मुंडा का जीवन और उनका योगदान हर भारतीय के लिए प्रेरणा स्रोत है उनकी 150वीं जयंती पर इस सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में परीक्षा केन्द्र में काफी उत्साह के साथ सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर सम्मिलित हुए। इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने हेतु आकर्षण पुरस्कारों की व्यवस्था की गई है। जिसमें साइकिल, स्मार्ट वॉच, बैक पुरस्कार के रूप में दिया जाएगा।

गणेश स्कूल में मनाया गया 78वां एनसीसी स्थापना दिवस

नवभारत न्यूज

सीधी 22 नवम्बर। स्थानीय श्री गणेश सीनियर सेकेण्डरी स्कूल पड़रा में शनिवार को राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) का 78वां स्थापना दिवस पूर्व संध्या पर धूमधाम से मनाया गया।

प्राचार्य डॉ.महेन्द्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में स्कूल के 50 कैडेट्स ने भाग लिया। इस दौरान कैडेट्स ने मॉक पार्लियामेंट सेशन, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन लेखन, पौधारोपण और स्कूल परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। समारोह की शुरुआत एनसीसी शपथ के साथ हुई, जिसके दौरान कैडेटों ने एनसीसी के नियमों और उद्देश्यों को कायम रखते हुए अनुशासन, एकता और राष्ट्रसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कैडेटों और छात्र-छात्राओं ने भी बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ राष्ट्रगीत गाकर वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया। प्राचार्य डॉ.तिवारी ने राष्ट्र निर्माण में एनसीसी की अहम भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि एनसीसी विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सेवा भावना का विकास करती है। प्रतिज्ञा समारोह का संचालन एनसीसी थर्ड आफिसर विश्वास पाण्डेय ने किया। उन्होंने जानकारी दी कि एनसीसी दिवस हर वर्ष नवंबर के चौथे रविवार को मनाया जाता है जिसका उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करना है। कार्यक्रम का समापन एनसीसी गीत के साथ हुआ। मौके पर छात्र-छात्राओं, एनसीसी कैडेट के अलावा स्कूल के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं और कर्मचारी उपस्थित थे।

एक नजर में

सीधी विधानसभा के 5 बीएलओ सम्मानित

सीधी। निर्वाचन नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (एसआईआर) के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करते हुए विधानसभा क्षेत्र 77 सीधी के पाँच बीएलओ ने शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन का लक्ष्य पूरा कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उनके इस सराहनीय योगदान के लिए सभी को शाल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित बीएलओ में मतदान केन्द्र 283 बमुरी की नीतू दुबे, मतदान केन्द्र 45 रोझौहा की ममता सिंह, मतदान केन्द्र 243 रामपुर के प्रेमसागर शर्मा, मतदान केन्द्र 33 अमरवाह के गोविन्द प्रताप सिंह चौहान तथा मतदान केन्द्र 241 वार्ड 24 सीधी के इजरान मंसूरी शामिल हैं, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण डिजिटाइजेशन कार्य कर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी बी.पी. पाण्डेय तथा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 77 सीधी राकेश शुक्ला ने सभी बीएलओ की मेहनत और कार्यशैली की सराहना की।

लापरवाही : बीएलओ अनिल पाण्डेय निलंबित

सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने निर्वाचन नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (एसआईआर) के कार्य में गंभीर लापरवाही बरतने पर अनिल पाण्डेय, प्राथमिक शिक्षक प्राथमिक शाला जमुनिहा खुर्द एवं विधानसभा क्षेत्र 77 सीधी के मतदान केन्द्र क्रमांक 172 शिवपुरवा के बीएलओ को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उपखण्ड अधिकारी एवं निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में बताया गया कि मतदान केन्द्र 172 के 1127 मतदाताओं में से 20 नवम्बर 2025 तक बीएलओ द्वारा केवल 225 गणना पत्रक ही डिजिटाइज्ड किए गए, जो मात्र 19.96 प्रतिशत प्रगति है। बार-बार नोटिस एवं समझाइश के बावजूद अपेक्षित प्रगति नहीं लाई गई। सेक्टर अधिकारी की रिपोर्ट में भी निरंतर लापरवाही और निर्वाचन कार्य बाधित होने की पुष्टि की गई। इन परिस्थितियों को गंभीर कदाचार मानते हुए, म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 9 के तहत श्री पाण्डेय को निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में वे नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त करेंगे तथा उनका मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी, सीधी निर्धारित किया गया है।

निर्वाचन कार्य में लापरवाही, 15 दिवस की कटौती

सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने निर्वाचन नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (एसआईआर) के कार्य में लापरवाही बरतने पर रामायण प्रसाद द्विवेदी, पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ अधिकारी अमिलिय एवं विधानसभा क्षेत्र 78 सिहावल के सेक्टर अधिकारी क्रमांक-5 के माह नवम्बर 2025 के वेतन एवं भत्तों में 15 दिवस की कटौती के आदेश जारी किए हैं। यह कार्रवाई उपखण्ड अधिकारी एवं निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, विधानसभा क्षेत्र 78 सिहावल द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर की गई। प्रतिवेदन में उल्लेख किया गया कि एसआईआर अंतर्गत 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर 2025 तक डोर-टू-डोर सर्वे कर निर्वाचकों की जानकारी का सत्यापन किया जाना है। इसमें मृत, स्थानांतरित एवं दोहरी प्रविष्टि की पहचान, फार्मों का वितरण एवं संग्रहण तथा बीएलओ ऐप के माध्यम से समयबद्ध डिजिटाइजेशन आवश्यक है। प्रतिवेदन अनुसार सेक्टर अधिकारी रामायण प्रसाद द्विवेदी द्वारा निर्धारित प्रगति हासिल नहीं की गई तथा समीक्षा बैठकों में भी अपेक्षित जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। यह कृत्य निर्वाचन जैसे संवेदनशील एवं अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य के प्रति घोर उदासीनता को दर्शाता है, जो शासकीय अधिकारी के पदीय दायित्वों के विपरीत है।

ब्लाक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता सीधी में हुआ आयोजन

नवभारत न्यूज

सीधी 22 नवम्बर। मेरा युवा भारत सीधी युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा ब्लाक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन आज 22 नवम्बर को पीएम श्री संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय सीधी में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ.प्रभाकर सिंह प्राचार्य पीएम श्री संजय गांधी स्मृति शा.स्वा.स्ना. महाविद्यालय सीधी, अध्यक्ष डॉ.गुलाम मोहइयूद्दीन सहायक प्राध्यापक पीएम श्री संजय गांधी महाविद्यालय सीधी, विशिष्ट अतिथि मानिन्द शेर अली खान जिला खेल प्रशिक्षक खेल एवं युवा कल्याण विभाग सीधी एवं विकास सिंह रहे। बालिका वर्ग 100 मीटर की दौड़ में प्रथम स्थान अराधना सिंह, द्वितीय स्थान दीपा सिंह, तृतीय स्थान डोली मिश्रा रही। बालक वर्ग 100 मीटर की दौड़ में प्रथम स्थान अभिषेक पनिका, द्वितीय स्थान शिवम कुशवाहा, तृतीय रघुराज सिंह ने प्राप्त किया।

खो-खो प्रतियोगिता में विजेता टीम हड़बड़ो वीरा, उपविजेता टीम पीएम श्री संजय गांधी महाविद्यालय सीधी रही। वालीबाल प्रतियोगिता में विजेता टीम कोटहा एवं उपविजेता टीम सीधी रही। निर्णायक की भूमिका सौरभ सिंह, अभिमन्यू सेन, अनिरूद्ध दिपांकर, सतीश सिंह, अतुल पाण्डेय, राविन्द सिंह, रोशन जायसवाल, दिवाकर सिंह, विनोद शर्मा, अनिल कुमार शुक्ला ने निभायी।

विद्या शिक्षा के साथ-साथ सिखाती है जीवन जीने की कला : डॉ.संदीप

सरस्वती विद्यालय में व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का हुआ समापन

नवभारत न्यूज

सीधी 22 नवम्बर। सरस्वती शिशु मंदिर के पूर्व छात्र परिषद द्वारा आयोजित व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का समापन इंजीनियरिंग महाविद्यालय रीवा के डीन और ख्यातिप्राप्त प्राध्यापक और उद्बोषक पूर्व छात्र डॉ.संदीप पाण्डेय के मुख्य आतिथ्य एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग सम्पर्क प्रमुख पूर्व छात्र नरेन्द्र केसरवानी की अध्यक्षता एवं प्रभारी प्राचार्य कमान सिंह चौहान, प्रधानाचार्य राम शिरोमणि शर्मा के विशिष्ट आतिथ्य एवं वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता स्काउट गाइड के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र मणि दुबे के संयोजकता में हर्ष उल्लास के साथ संपन्न हुई।

पूर्व छात्र परिषद द्वारा आयोजित व्यक्तित्व विकास कार्यशाला में बच्चों को संबोधित करते हुए रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज के डीन डॉ.संदीप पाण्डेय ने कहा कि कहा कि आज मैं जिस स्थिति में हूं, उसमें पूरा का पूरा योगदान विद्यालय का है। छात्र जीवन स्वर्णिम जीवन होता है। इस जीवन का बड़ा महत्व है। जो कुछ हम सीखते हैं उसे हम सारी उम्र इंप्लीमेंटेशन करते हैं। विद्या शिक्षा के साथ-साथ जीवन जीने की कला सिखाती है। हमें समाज के साथ, समाज की सारी ताकतों के साथ लड़कर जीवन जीना है। डॉ.पाण्डेय ने कहा कि ज्ञान भाषा की मोहताज नहीं होती है। साइंस का विद्यार्थी नीट परीक्षा के द्वारा मेडिकल क्षेत्र में, मैथ का विद्यार्थी जेईई के द्वारा इंजीनियरिंग क्षेत्र में और सभी संकाय के विद्यार्थी सीयूईटी की परीक्षा के द्वारा सिविल सर्विस एवं अन्य क्षेत्र में अपना कैरियर बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि आचार्य लोग अपनी इच्छाओं का दमन करके आपके विकास हेतु लगातार मेहनत कर रहे हैं तो हमें उनकी बातों को ध्यान से सुनना चाहिए। हमें अपने धर्म संस्कृति के बारे में भी विद्यालय में सिखाया जाता है। उन्होंने कहा कि माता-पिता और गुरु से बढ़कर दुनिया में कोई बड़ा नहीं है, जो कि अपने से अच्छा बनाना चाहते हैं। हमें ईश्वर पर विश्वास करना चाहिए, जो एक ऐसी शक्ति है जो हमारे मेहनत का हमेशा दुगना करके वापस करती है। ईश्वर रूपी सीसीटीवी कैमरा हमारे ऊपर 24 घंटे नजर लगाए हुए हैं। अतः हमें कभी भी गलत काम नहीं करना चाहिए। इंजीनियरिंग महाविद्यालय रीवा के डीन डॉ संदीप पाण्डेय ने छात्रों के प्रोत्साहन के लिए प्रदेश में टॉप करने वाले विद्यार्थी को 5100 नगद पुरस्कार देने की भी घोषणा की। साथ ही इंजीनियरिंग व मेडिकल क्षेत्र में चयनित छात्र-छात्राओं को उचित सहायता देने का भी ऐलान किया, जिसका उपस्थित छात्र छात्राओं ने जोरदार तालियां बजाकर अभिनंदन किया। इस कार्यक्रम में छात्र आयुष मिश्रा, वेद सिंह के द्वारा अतिथियों का रोली चंदन द्वारा स्वागत किया गया। अंत में क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त रश्मि सिंह को नगद 1100 रूपए एवं अन्य द्वितीय तथा तृतीय विद्यार्थियों को पारितोषिक द्वारा पुरस्कृत किया गया। अतिथियों का आभार प्रदर्शन विद्यालय के प्रधानाचार्य रामशिरोमणि शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के बृहस्पति मिश्रा, अमृतलाल सोनी, अनुराधा मिश्रा, रश्मि द्विवेदी, संगीता सिंह, दिवाकर द्विवेदी सहित अनेक आचार्य हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी के सैकड़ो छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सही मार्गदर्शन मिलने से जीवन में पा सकते हैं सफलता : नरेन्द्र

कार्यक्रम के अध्यक्ष नरेन्द्र केसरवानी विभाग कार्यवाह आरएसएस ने कहा कि 10वी, 12वीं टर्निंग पॉइंट होता है। सही मार्गदर्शन मिलने से हम जीवन में सफलता पा सकते हैं। व्यक्तित्व विकास कार्यशाला के संयोजक सुरेंद्रमणि दुबे ने अतिथियों का परिचय और कार्यशाला की पृष्ठभूमि और उसका सार बताते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए वरदान है जिससे प्रेरणा पाकर विद्यार्थी अपने जीवन में आगे बढ़ सकते हैं।